नैनन मे पिचकारी दई

नैनन मे पिचकारी दई, मोहे गारी दई, होरी खेली ना जाय।
खेली ना जाय, होरी खेली ना जाय ॥
नैनन मे पिचकारी दई, मोहे गारी दई.......

क्यों रे लंगर लंगराई मोते कीनी।
केसर कीच कपोलन दीनी।
लिए गुलाल वो तो ठाड़ो मुस्काये।
वो तो ठाड़ो मुस्काये।
होरी खेली ना जाय।
नैनन मे पिचकारी दई, मोहे गारी दई, होरी खेली ना जाय।

नैक न कान करत काहू की।
नजर बचावे बलदाऊ की।
पनघट सौं घर लो बतराय।
घर लौं बतराय।
होरी खेली ना जाय।
नैनन मे पिचकारी दई, मोहे गारी दई, होरी खेली ना जाय।

औचक कुचन कुमकुमा मारै।
रंग सुरंग सीस ते ढारै।
यह ऊधम सुनि सासु रिसियाय।
सुनि सासु रिसियाय।
होरी खेली ना जाय।
नैनन मे पिचकारी दई, मोहे गारी दई, होरी खेली ना जाय।

होरी के दिनन मोते दूनौ दूनौ अटकै।
सालिगराम कोण जाहे हटकै।
अंग लिपटि हँसि हा -हा खाय।
हँसि हा -हा खाय।
होरी खेली ना जाय।
नैनन मे पिचकारी दई, मोहे गारी दई, होरी खेली ना जाय।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23386/title/nainan-me-pichkari-dayi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |